

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा – पंचम्

तिथि – 10/05/2021

विषय-संस्कृत

सुमिता कुमारी

सुप्रभात बच्चों,

संस्कृत में आप सब पाठ-2 के 'संयुक्त-वर्ण' के बारे में अध्ययन करेंगे।

संस्कृत

द्वितीयः पाठः

संयुक्तवर्णाः

*संयुक्त व्यंजन-

जब दो व्यंजन मिलकर नया व्यंजन बनाते हैं,
उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। जैसे-

(i) क्+ष्=क्ष्

(ii) ज्+ञ्=ञ्

(iii) द्+य्=द्य्

(iv) क्+त्= क्त्

(v) द्+र्= द्र्

(vi) त्+र्= त्र्

(vii) श्+र्= श्र्

यह संयुक्त व्यंजन देखने में एक व्यंजन लगते
हैं, पर इनमें दो छिपे होते हैं।

जैसे- द्+ध्=द्ध्

***वर्ण-संयोग या वर्ण-संयोजन**

वर्णों को आपस में मिलाने की प्रक्रिया का वर्ण-संयोग या वर्ण संयोजन कहते हैं।

वर्ण संयोजन से ही शब्द-निर्माण होता है।

जैसे-(i)क्+अ+म्+अ+ल्+अ=कमल

(ii)म्+अ+त्+इ=मति

(iii) स्+आ+ध्+उ=साधु

(iv)म्+आ+त्+ऋ=मातृ

(v)द्+व्+आ+र्+अ=द्वार

(vi)प्+उ+त्+र्+अ=पुत्र

(vii)आ+ज्+ञ्+आ=आज्ञा

(viii)क्+ऋ+ष्+ण्+अ=कृष्ण

अभ्यास

1. शुद्धं विकल्पं चित्वा रिक्तस्नानि पूरयत-

(शुद्ध विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए)

(i) वर्णों को जोड़कर शब्द बनाने की प्रक्रिया..... कहलाती है।

(क)वर्ण-विच्छेद (ख)वर्ण-वियोग (ग) वर्ण-संयोजन

(ii) दो व्यंजन मिलकर

व्यंजन बनाते हैं।

(क) शब्द (ख)वर्ण (ग) संयुक्त

2.संयुक्तव्यंजनयुक्तान् दश-शब्दान् लिखत-

(संयुक्त व्यंजनों से युक्त 10 शब्द लिखिए)

.....

.....

